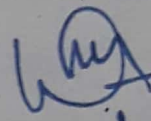


110  
4

पत्रावली प्रस्तुत की गई। वकील वादी/<sup>प्रतिवादी</sup> अनुपस्थित।  
चूंकि वाद की सुनवाई के लिए पुकार होने पर न  
तो वादी एवं न ही प्रतिवादी उपसंज्ञात हैं, अतः  
सि. प्र. सं. 1908 के आदेश 9 नियम 3 के तहत  
न्यायालय वाद को खारिज करने का आदेश  
देता है।

  
11/9/19

